"Causes and Consequences of the American Civil War" (1)

अमेरिकी गृह-युद्ध कारण और परिणाम

⟹ अमेरिका के अन्दर उत्तरी तथा दक्षिणी राज्यों के बीच संघर्ष की एक परम्परा सी बना गई थी। 1820 के दशक में संघीय राजनीति में काफी मतभेद उत्पन्न हो चुके थे। 1820 में (Slave) दासता के प्रश्न पर उत्तर तथा दक्षिण के बीच विवाद काफी बढ़ गया था। इसके बाद मैक्सिको युद्ध ने उत्तर तथा दक्षिण की खाई को और चौड़ा किया। इस परस्पर विरोध का सिलसिला एक गृहयुद्ध में परिणत हो गया, जिसके और भी अन्य कारण थे :-

(i) आर्थिक असमानता (Economic inequality)
(ii) दास-प्रथा (Slavery)
(iii) अब्राहम लिंकन का निर्वाचन (Election of Abraham Lincoln)
(iv) राजनैतिक प्रचार द्वारा भय का वातावरण, (Atmosphere of fear through political propaganda.)
(v) दास मालिकों की गलतियां, (Mistakes of slave owners)
(vi) रुई राज्यों का संघ से पृथक होना इत्यादि। (Separation of Cotton states from the Union)

(कुल 34 में से 23 राज्य उत्तर में तथा कुल जनसंख्या का 2/3 यहीं पर था)

(i) आर्थिक असमानता :- (Economic inequality) अमेरिका के उत्तरी तथा दक्षिणी राज्यों के बीच भारी आर्थिक असमानता थी। उत्तरी राज्यों में उद्योगों की प्रधानता थी, जहां उत्पादन में मशीनों का अधिक उपयोग होता था। अतः उनकी आर्थिक उन्नति में गुलामों का विशेष योगदान नहीं था।

दूसरी ओर दक्षिणी राज्यों का आर्थिक जीवन कृषि पर आधारित था। कृषि क्षेत्र में इस समय तक यांत्रिक शक्ति का अधिक विकास नहीं हुआ था। अतः इन राज्यों के किसान अपने कृषि कार्य के लिए गुलामों पर अधिक निर्भर था। ये राज्य दास-प्रथा को समाप्त करने के पक्ष में नहीं थे।

1830 ई० में टैरिफ एवं पूंजी के मामलों में उत्तर तथा द० के बीच संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो गई थी।

फिर, प्रत्येक राज्य अपने- अपने स्वार्थों के कारण संघीय हस्तक्षेप को पसन्द नहीं करते थे।

यूरोपीय प्रवासी अधिक संख्या में उत्तरी राज्यों में बसे थे। 1860 ई० तक केवल 13% विदेशी अप्रवासी ही दक्षिणी राज्यों में बसे थे और समस्त अमेरिकी उद्योगों का केवल 10% भाग वहां स्थित था। इस तरह, दक्षिणी सामाजिक संरचना में प्रमुख रूप से ग्रामीण एवं कृषक वर्ग ही विकसित हो पाया था। अतः उत्तरी तथा दक्षिणी राज्यों के बीच आर्थिक- विषमता एवं सामाजिक स्तर पर बहुत बड़ा मतभेद था।

(2.) दास प्रथा (Slavery) :- गृह-युद्ध का मौलिक कारण दास- प्रथा थी। 18 वीं शदी के अंत तक अमेरिका के आम जन दास-व्यापार को बुरी नजरों से देखने लगे थे। इंग्लैण्ड के उपनिवेशों में 1833 ई० में, फ्रांसीसी उपनिवेशों में 1848 ई० में, लैटिन - अमेरिकी गणतंत्रों में 19वीं सदी के प्रारंभ में ही गुलामों की खरीद- बिक्री तथा उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। जबकि कपास की मांग में बेशुमार वृद्धि होते रहने के कारण दक्षिणी राज्य गुलामी प्रथा को जारी रखना चाहते थे। अमेरिकी हब्सी गुलामों के श्रम पर ही दक्षिणी राज्यों में कपास उत्पादन की सारी प्रक्रिया निर्भर थी।

धीरे-2 दास प्रथा अमेरिका की राजनीति में अत्यन्त जटिल प्रश्न बन कर रह गया था। 1850 ई० में भागे हुए दासों से सम्बन्धित कानून (Fugitive Slave law) का उत्तरी राज्यों ने कड़ा विरोध किया। वस्तुतः उत्तरी अमेरिका के राज्य, जहाँ इसे समाज के लिए कलंक समझते थे, वहीं दक्षिणी राज्यों के लिए यह एक आवश्यक बुराई थी जिसे समाप्त नहीं किया जा सकता था। परिणामस्वरूप, दोनों पक्षों में से कोई भी

(Election of Abraham Lincoln)

(iii) अब्राहम लिंकन का निर्वाचन :- 4 मार्च, 1861 ई० को अब्राहम लिंकन ने राष्ट्रपति का पद ग्रहण किया। उनका राष्ट्रपति बनना इस बात का स्पष्ट संकेत था कि अब दास-प्रथा अधिक दिनों तक जीवित नहीं रह सकती। लिंकन के भारी बहुमत से विजयी होने के कारण, दक्षिणी राज्यों को यह चिन्ता होने लगी कि नई सरकार उनकी संस्थाओं तथा विशिष्ट सभ्यता को नष्ट कर देगी। इस भावना ने दक्षिण के राज्यों को संघ से पृथक होने के लिए प्रेरित किया।

जबकि लिंकन का मुख्य उद्देश्य संघ की रक्षा करना था। उत्तरी राज्य भी आर्थिक हितों की दृष्टि से संघ की रक्षा हेतु कटिबद्ध थे। यदि स्वतंत्र दक्षिणी परिसंघ इंग्लैण्ड से निकट का सम्बन्ध बना लेता तो उत्तरी अमेरिकी व्यापार का एक लाभपूर्ण बाजार छिन जाता।

(Atmosphere of fear through political propaganda)

(iv) राजनीतिक प्रचार द्वारा भय का वातावरण :-

दक्षिणी राज्यों में यह भय उत्पन्न हो गया था कि उत्तर द्वारा दक्षिण की ऐतिहासिक श्रम प्रणाली नष्ट कर दी जायेगी। फलतः दक्षिण वासियों में आतंक, भय, घृणा और रोष का वातावरण पैदा हो गया था। इस प्रश्न पर अमेरिका में काफी वाद-विवाद हुआ। अब्राहम लिंकन तथा स्टीफन डगलस के बीच दास-प्रथा को लेकर राजनीतिक वाक् युद्ध हुए। लिंकन ने दासता को नैतिक, सामाजिक एवं राजनैतिक रूप से दोषपूर्ण संस्था की संज्ञा दी। जबकि डगलस ने नैतिकता के प्रश्न को ही बिलयातर कर दिया। उसने फ्रीपोर्ट सिद्धान्त को मान्यता दी, जिसके ... प्रांतीय संविधान के

(4)

अन्तर्गत था। इस सिद्धान्त ने ~~ई०~~ में गृह युद्ध को अवश्यम्भावी बना दिया।

(v) दास-मालिकों की गलतियाँ (Mistakes of Slave Owners):-

दास मालिकों ने दुःसाहस का परिचय देते हुए, संघ को तोड़ने के प्रयास में युद्ध आरंभ कर दिया। अब तक दास मालिकों की रक्षा संविधान और उत्तर के राजनीतिज्ञों द्वारा की जा रही थी किन्तु अब उन्होंने संविधान की धज्जियाँ उड़ा दी और उत्तरी मित्रों से नाता भी तोड़ लिया। दास मालिकों ने इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया कि उत्तर की शक्ति दक्षिण से अधिक थी तथा संघीय भावनाएँ भी अत्यन्त प्रभावशाली थी जबकि विदेशी मान्यता और सहायता प्राप्त करना बेहद कठिन था।

(VI) रुई राज्यों का संघ से पृथक होना (Separation of Cotton States from the Union):-

दक्षिणी राज्यों के नेताओं ने चुनाव से पूर्व ही यह तय कर लिया था कि रिपब्लिकन राष्ट्रपति के अधीन संघ में नहीं रहेंगे। जब ~~प्रथम~~ पहला रिपब्लिकन राष्ट्रपति बने तो इस दिशा में लिंकन राष्ट्रपति बने तो इस दिशा में पहल दक्षिणी कैरोलिना राज्य ने किया। उसने 20 दिसम्बर, 1860 ई० को संघ से पृथक होने की घोषणा कर दी। लिंकन ने जिस दिन राष्ट्रपति पद की ~~शपथ~~ शपथ ली उस समय तक दक्षिण के सात राज्य संघ से अलग हो चुके थे। इन राज्यों ने मिलकर 4 फरवरी, 1861 ई० को एक दक्षिण Southern Confederacy बनाया।

किंतु, किसान विरोधी भी कानून पर संसद को [illegible] के लिए [illegible] था। [illegible] था कि [illegible] के [illegible] स्थापित किया गया था वह ऐतिहासिक और [illegible] है, उसकी [illegible] को किसी भी प्रकार [illegible] नहीं [illegible] जायेगा।

किसान ने विरोधी कानूनों को [illegible] के लिए [illegible] किया। [illegible] विरोधी कानूनों ने भी अपनी [illegible] की रक्षा के लिए [illegible] और [illegible] में शुरू आरंभ हो गया।